

लसीका फाइलेरिया

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने [लसीका फाइलेरिया \(Lymphatic Filariasis\)](#) के लिये [वार्षिक राष्ट्रव्यापी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन \(MDA\) पहल](#) के दूसरे चरण का उद्घाटन किया।

- भारत का लक्ष्य एक मशिन-संचालित रणनीतिके माध्यम से वैश्विक लक्ष्य से तीन वर्ष पहले वर्ष 2027 तक लसीका फाइलेरिया का उन्मूलन करना है।

लसीका फाइलेरिया:

■ परिचय:

- लसीका फाइलेरिया, जिसे आमतौर पर **हाथीपाँव रोग (एलफिंटियासिस)** के रूप में जाना जाता है, **परजीवी संक्रमण के कारण होने वाला एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (Neglected Tropical Disease- NTD)** है जो **संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है**।
- यह रोग विश्व के उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में लाखों व्यक्तियों को प्रभावित करता है।

■ कारण एवं संचरण:

- लसीका फाइलेरिया, **फिलारियोडडिया परिवार के नेमाटोड (राउंडवॉर्म)** के रूप में **वर्गीकृत परजीवियों के संक्रमण के कारण** होता है।

- ये धागे जैसे फाइलेरिया कृमि 3 प्रकार के होते हैं:

- **वुचेरेरिया बैंक्रॉफ्टी (Wuchereria Bancrofti)**, जो 90% मामलों के लिये उत्तरदायी होता है।
- **ब्रुगिया मलाई (Brugia Malayi)**, जो शेष अधिकांश मामलों का कारण बनता है।
- **ब्रुगिया टिमोरी (Brugiya Timori)**, भी इस रोग का कारण है।

■ लक्षण:

- लसीका फाइलेरिया संक्रमण में **सर्पशोन्मुख, तीव्र तथा गंभीर स्थितियाँ** शामिल होती हैं।
- गंभीर स्थितियों में इसमें **लिम्फोएडेमा (ऊतक सूजन) या एलफिंटियासिस (त्वचा/ऊतक का मोटा होना) एवं हाइड्रोसील (अंडकोश की सूजन)** जैसे लक्षण देखे जाते हैं।

■ उपचार:

- **वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO)** लसीका फाइलेरिया के वैश्विक उन्मूलन में तीव्रता लाने के लिये उपचार कर लिये गये दवाओं की सफाई करता है। उपचार, जिसे **IDA** के रूप में जाना जाता है, में **आइवरमेक्टिन, डायथाइलकार्बामाज़िन साइट्रेट तथा एलबेंडाज़ोल का संयोजन** शामिल है।
 - इसके तहत लगातार **दो वर्षों तक** इन दवाओं को देना शामिल है। वयस्क कृमिका जीवन मुश्किल से चार वर्ष का होता है, इसलिए **यह व्यक्ति को कोई हानि पहुँचाए बिना स्वाभाविक रूप से समाप्त** जाएगा।

■ वैश्विक खतरा और नविकरण उपाय:

- **44 देशों में 882 मिलियन से अधिक लोग हाथीपाँव रोग/लसीका फाइलेरिया (Lymphatic Filariasis) के खतरे** का सामना करते हैं और उन्हें **नविकरण कीमोथेरेपी (Preventive Chemotherapy) की आवश्यकता** होती है।
- जोखिम वाली आबादी के लिये सुरक्षित दवा संयोजनों का उपयोग करके **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (Mass Drug Administration- MDA)** एक नविकरण दृष्टिकोण है।
- **संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये वर्ष 2000 से अब तक 9 अरब से अधिक लोगों का उपचार किया जा चुका है।**

■ प्रगत एवं उपलब्धियाँ:

- MDA के सफल प्रयासों से संचरण और संक्रमण के प्रसार में कमी आई है।
- **740 मिलियन लोगों को अब नविकरण कीमोथेरेपी की आवश्यकता नहीं है।**
- वर्ष 2018 में 51 मिलियन लोग संक्रमित हुए जो वैश्विक उन्मूलन प्रयासों की शुरुआत के बाद से 74% की कमी दर्शाता है।

■ वेक्टर (रोगाणु) नियंत्रण और WHO का दृष्टिकोण:

- मच्छर नियंत्रण, जैसे- कीटनाशक-उपचारित जाल (Insecticide-Treated Nets) और इनडोर अवशेषित छड़िकाव (Indoor Residual Spraying), नविकरण कीमोथेरेपी के पूरक हैं।

- **हाथीपाँव रोग के उन्मूलन हेतु** WHO का **वैश्विक कार्यक्रम (WHO's Global Programme to Eliminate Lymphatic Filariasis- GPELF)** इस बीमारी को खत्म करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2000 में शुरू किया गया था।
 - GPELF का लक्ष्य **नरिंतर कम संक्रमण दर हासिल करना और देखभाल प्रदान करके 80% स्थानिक देशों में लसीका फाइलेरिया के उन्मूलन** के सत्यापन के मानदंडों को पूरा करना है।
 - यह कार्यक्रम सभी स्थानिक देशों में पोस्ट-MDA निगरानी के लिये प्रयास करता है और अंततः MDA की आवश्यकता वाली आबादी को शून्य तक कम कर देता है।
- यह रणनीति संक्रमण को फैलने से रोकने और प्रभावित व्यक्तियों को आवश्यक देखभाल प्रदान करने पर केंद्रित है।

लसीका फाइलेरिया के उन्मूलन हेतु भारत की पहल:

- राष्ट्रव्यापी **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान** स्थानिक क्षेत्रों में नविकर दवाओं की आपूर्तिकरता है।
- वभिन्न हतिधारकों, क्षेत्रों और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से पहल के प्रभाव को बढ़ाना।
- **"जनभागीदारी (Jan Bhagidaari) और 'संपूर्ण सरकार (Whole of Government)' तथा 'संपूर्ण समाज (Whole of Society)'** दृष्टिकोण के माध्यम से भारत इस बीमारी को देश से खत्म करने में सक्षम होगा।"
- **MDA पहल के दूसरे चरण में लक्षित हस्तक्षेप के लिये 9 स्थानिक राज्यों के 81 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है (ये राज्य हैं असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश)।**
- राज्य-केंद्र के सहयोग से स्वास्थ्य देखभाल, निगरानी, रोकथाम और उपचार को बढ़ावा देना।
- स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति में दवा सेवन हेतु प्रोत्साहति कर अनुपालन को बढ़ावा देना।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/lymphatic-filariasis-2>

